जीवन–वृत्त (BIO-DATA)

1. नाम : डॉ. व्यास नारायण दुबे,
2. जन्म–तिथि : 08.04.1953
3. निवास का पता : बी– 2/5, मानस कुंज, लोकमान्य निर्माण समिति, रोहिणीपुरम, रायपुर (छत्तीसगढ)
4. शैक्षणिक योग्यता :
   (1) एम.ए. (भाषाविज्ञान) : 1978, प्रथम श्रेणी – (प्रावीण्य श्रेणी में द्वितीय स्थान) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.
   (2) पी–एच.डी. (भाषाविज्ञान) : 1984, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

5. छत्तीसगढ़ी से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य :
   (1) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एम.ए. छत्तीसगढ़ी का पाठ्यक्रम 2013 से प्रारंभ किया.
   (2) छत्तीसगढ़ी का मानकीकरण पर सात दिवसीय कार्यशाला (दिनांक 20.09.2013 से 26.09.2013 तक) का सफल आयोजन किया.
   (3) छत्तीसगढ़ी का अतीत और भविष्य विषय पर पाँच दिवसीय (दिनांक 20.12.2013 से 24.12.2013 तक) अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया।
   (4) छत्तीसगढ़ी जन–जागरण अभियान का प्रारंभ किया। इसके लिए अब तक दस विभिन्न स्थानों पर इसका सफल आयोजन किया.
   (5) छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम निर्माण एवं अध्यापन–कार्य के लिए बिन्हारी–सम्मान, 2014 को भिलाई (दुर्ग) के संस्थाओं द्वारा प्रदान किया गया. बालाद सम्मान - 2014

6. अध्यापन–कार्य :
   (1) जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर के अंतर्गत सहायक शिक्षक (05.09.1973 से 08.08.82 तक).
   (2) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के भाषाविज्ञान–अध्ययनशाला में शोध–छात्र के रूप में सत्र 1981–82 में एम.ए. (पूर्व) भाषाविज्ञान–विषय का अध्यापन–कार्य.
   (3) प्राच्य भाषा विद्यापीठ, रायपुर में भाषाविज्ञान–विषय का अध्यापन–कार्य (01.08.81 से 30.04.82).
   (4) कला एव वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर में व्याख्याता के रूप में भाषाविज्ञान–विषय का अध्यापन–कार्य (09.08.82 से 31.03.86 तक).
   (5) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के भाषाविज्ञान–अध्ययनशाला में अंशकालिक व्याख्याता के रूप में, एम.फिल. भाषाविज्ञान का अध्यापन–कार्य (16.08.85 से 28.02.86 तक).
   (6) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के भाषाविज्ञान–अध्ययनशाला में व्याख्याता के रूप में अध्यापन–कार्य (31.03.86 से 26.07.98 तक).
   (7) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के भाषाविज्ञान–अध्ययनशाला में रीडर के रूप में अध्यापन–कार्य (27.07.98 से 27.07.2006 तक).

7. वर्तमान प्रशासनिक पद :

(1) प्रोफेसर, भाषाविज्ञान, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (22.07.2006 से अब तक).

(2) अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (3.7.2010 से अब तक).

(3) संकायाध्यक्ष, कला–संकाय, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

(4) सदस्य, कार्य–परिषद, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

(5) प्रमुख संपादक, विश्वविद्यालय शोध–पत्रिका, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

(6) समन्वयम, पुनर्मूल्यांकन–इकाई, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

(7) समन्वयक, इंदिरा गॉधी मुक्त विश्वविद्यालय, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय इकाई, रायपुर (3.1.2012 से अब तक).

(8) अध्यक्ष, भाषाविज्ञान–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

8. पूर्व प्रशासनिक अनुभव :

(1) संस्थापक सदस्य एवं विभागाध्यक्ष, भाषाविज्ञान–विभाग, कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर.

(2) प्राचार्य : कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर

(अ) 13.10.83 से 07.03.83 तक, एवं (ब) 15.05.84 से 31.03.86 तक.

(3) राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महाविद्यालयीन कार्यों का सफल संचालन.

(4) विभागाध्यक्ष, अँग्रेजी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर दिनांक 30.09.98 से 04.08.2001 तक.

(5) ज्वाइंट प्रॉक्टर, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, दिनांक 12.08.98 से 03.09.2000 तक.

9. शोध–कार्य :

(1) पी–एच.डी. : 'छत्तीसगढी के क्षेत्रीय एवं वर्गगत प्रभेदों के वाचकों की भाषावैज्ञानिक प्रतिस्थापना' विषय पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा पी–एच.डी. की उपाधि प्राप्त.

10. शोध–परियोजना : 02

1. **"A study of Linguistics variations of Halbi" (Minor Research Project),**

2. **"A study of Linguistics variations of Pando dialect"**

विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा 3 वर्षों के लिए (01.02.02 से 28.02.05 तक) प्रदान किया गया है।

11. शोध–निर्देशन : 06

(1) शोध–प्रबंध :

(अ) पूर्ण हुए शोध–कार्य

1. 'गोदान' का शब्दवैज्ञानिक विश्लेषण : 2001.
2. 'मोहन राकेश' के नाटकों का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन : 2003.
3. 'प्रसाद' के नाटकों का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन : 2006.
4. 'वृंदावन लाल वर्मा' के ऐतिहासिक उपन्यासों का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन : 2007.

5. गोंदिया जिले के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : 2009.

6. छत्तीसगढ़ी–नाटकों का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन (प्रेम साइमन के छत्तीसगढ़ी नाटकों के विशेष संदर्भ में) : 2009.

(ब) अध्ययनरत शोध–कार्य : 03

1. हिंदी और उड़िया में क्रियापद–संरचना : एक व्यतिरेकी अध्ययन. – श्रीकांत मोहंती 15
2. बिलासपुर संभाग के स्थान नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन. – राजकुमार टंडन – 16
3. प्रसाद के उपन्यासों का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन.

(2) लघुशोध–प्रबंध : 50

मेरे शोध–निर्देशन में अब तक 43 लघुशोध–प्रबंध पूर्ण हो चुके हैं, जो निम्नलिखित हैं–

1. हिंदी–शिक्षण में उड़िया का व्याघात, 1987.
2. 'सुबह की तलाश' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन (पुरुष पात्रों की भाषा के संदर्भ में), 1988.
3. 'हर्षचरित्रम्' में प्रयुक्त अव्ययों का अध्ययन, 1988.
4. 'सुबह की तलाश' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन (स्त्री–पात्रों की भाषा के संदर्भ में), 1988.
5. 'अपने–अपने अजनबी के विशेषण, 1989.
6. 'मोंगरा' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1989.
7. 'परती परिकथा' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1989.
8. हिंदी–एकभाषिक शब्दकोशों का तुलनात्मक मूल्यांकन, 1989.
9. 'गोदान' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1990.
10. छत्तीसगढ़ी–लोकगीतों का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1990.
11. छत्तीसगढ़ी में उपसर्ग, 1991.
12. छत्तीसगढ़ी में वचन–प्रयोग, 1991.
13. 'सुबह की तलाश' के विशेषण, 1991.
14. 'सरगुजिया–लोकगीतों' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1991.
15. यशपाल के 'बारह घंटे' पर अँग्रेजी–प्रभाव, 1992.
16. 'मृगनयनी' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1992.
17. 'अंधा–युग' का शैलीभाषिक अध्ययन, 1992.
18. 'अमृत और विष' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1992.
19. 'निर्मला' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1996.
20. रायपुर नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1996.
21. 'आषाढ़ का एक दिन' का संप्रेषणपरक विश्लेषण, 1997.
22. कांकेर नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1998.
23. डोंगरगढ़ नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1998.
24. भिलाई नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 1999.

25. हिंदी और तेलुगु के क्रिया–रूपों का व्यतिरेकी अध्ययन, 2000.
26. 'मैला ऑचल' का समाज–भाषावैज्ञानिक विवेचन, 2000.
27. 'पंचवटी' शब्दगत वैशिष्ट्य, 2001.
28. 'सुबह की तलाश' पर छत्तीसगढ़ी–प्रभाव, 2001.
29. 'गोदान' के विशेषण, 2002.
30. 'कुल के मरजाद' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2002.
31. 'प्रस्थान' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2002.
32. 'सुरंगमा' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2006.
33. 'कंकाल' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2007.
34. हिंदी–विज्ञापन में अँग्रेजी (रायपुर नगर के विशेष संदर्भ में), 2007.
35. 'गोदान' का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2007.
36. भाटापारा नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2007.
37. महासमुंद नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2008.
38. 'गुनाहों का देवता' समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2008.
39. 'हर्षचरितम' के विशेषण, 2008.
40. 'लहरों के राजहंस' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2009.
41. बिलासपुर नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2009.
42. 'हितोपदेश' के विशेषण, 2009.
43. 'तितली' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, 2009.
44. सरायपाली नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन– राकेश कुमार साहू, 2010.
45. 'शिशुपालवधम्' के संज्ञा–शब्दों का अर्थपरक अध्ययन – मोहन जोशी, 2010.
46. 'अभिज्ञानशकुंतलम्' के विशेषण–पद : वीरेन्द्र मिश्रा, 2010.
47. 'तमस' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन – श्रीमती माधुरी व्यवहारे, 2011.
48. रायगढ़ नगर के स्थान–नामों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन – कु. संगीता आदित्य, 2011.
49. उराँव लोकगीतों का अनुशीलन (जशपुर जिले के विशेष संदर्भ में) – कु. सरिता भगत, 2011.
50. पं. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के उपन्यास 'भीष्म पितामह' का साहित्यिक अनुशीलन – वशिष्ट प्रधान, 2011.

12. **प्रकाशित पुस्तकें** : **संख्या 3**

(1) भाषाविज्ञान का सामान्य ज्ञान (सह लेखक) : भाषिक प्रकाशन, रायपुर, प्रथम संस्करण, 1981.

(2) छत्तीसगढ़ी–शब्दकोश (सह–संपादक) : भाषिका प्रकाशन, रायपुर, प्रथम संस्करण, 1982.

(3) छत्तीसगढ़ी जनभाषा : पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, प्रथम संस्करण, 2004.

13. **आगामी प्रकाशन** : **संख्या 3**

(1) हिंदी : प्रयोग और अर्थ.

(2) छत्तीसगढ़ी का सामान्य परिचय.

(3) राष्ट्रीय भावात्मक एकता में देवनागरी लिपि का योगदान.

14. संपादित एवं प्रकाशित अन्य कृतियाँ : संख्या 4

(1) छित्तका कुरिया (संपादित) : मयारू माटी प्रकाशन, रायपुर, प्रथम संस्करण, 1989.

(2) छत्तीसगढ़ी–संदेश (साहित्यिक एवं शोधपरक त्रैमासिकी) : संपादित, अंक 1, 2, 1993, रायपुर.

(3) नागरी लिपि परिषद्, छत्तीसगढ़ इकाई, रायपुर द्वारा विनोबा जन्मशताब्दी पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्रीय भावात्मक एकता में देवनागरी लिपि का योगदान' 1995 के लिए प्रकाशित 'स्मारिका' (संपादित), जनवरी 1995.

(4) रायपुर नगर में 17, 18, 19 जनवरी 1997 को आचार्य विनोबी जी की प्रेरणा से स्थापित नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली के 20वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का संपादन.

15. प्रकाशित लेख : संख्या 58

(1) छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ तथा मातृबोलियाँ, नवभारत, रायपुर, 1979.

(2) छत्तीसगढ़ी की मातृबोलियाँ : सहयोग दर्शन (मासिक), रायपुर, वर्ष 29, अंक–4, पृ. 7–12, 1982.

(3) छत्तीसगढ़ी ल भासा के दरजा कइसे मिलही ? छत्तीसगढ़ी सेवक, सुराजी विशेषांक, रायपुर वर्ष–24, अंक 16–17, पृ. 7–9, 1987.

(4) मानक हिंदी की परिकल्पना; छत्तीसगढ़ी सेवक, रायपुर, वष 24, अंक–18, पृ. 3, 1987.

(5) (अ) छत्तीसगढ़ी का उपबोलियाँ, तरूण छत्तीसगढ़, दीपोत्सव–87, रायपुर, पृ. 65–69, 1987.

(ब) .....; पहचान यात्रा, दीपावली विशेषांक, रायपुर, पृ. 9–10, 1987.

(स) .....; छत्तीसगढ़ी सेवक, रायपुर, पृ. 9–10, 1987.

(6) (अ) छत्तीसगढ़ी की उत्तरी उपबोली : सरगुजिया; जरनल ऑफ पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, पृ. 33–37, 1990.

(ब) .....; यात्रा जारी है, पहचान प्रकाशन, रायपुर, प्रथम संस्करण, पृ. 1–5, 1988.

(7) छत्तीसगढ़ी भाषा के परिचय (प्रथम किस्त) : छत्तीसगढ़ी सेवक, रायपुर, वर्ष–25, अंक–6, पृ. 3, 1998.

(8) छत्तीसगढ़ी भासा के परिचय (दवितीय किस्त) : छत्तीसगढ़ी सेवक, रायपुर, वर्ष–25, अंक–7, पृ. 2, 1998.

(9) छत्तीसगढ़ी भासा के परिचय (तृतीय किस्त) : छत्तीसगढ़ी सेवक, रायपुर, वर्ष–25, अंक–10, पृ. 3, 1998.

(10) (अ) छत्तीसगढ़ी–शोध–संदर्भावली; सहयोग दर्शन (मासिक), रायपुर, पृ. 18–20, सितंबर, 1998.

(ब) .....; छत्तीसगढ़ी संदेश (त्रैमासिक), रायपुर, पृ. 3–25, फरवरी 1993.

(11) (अ) छत्तीसगढ़ी–व्यक्तिनामों का सामाजिक–संदर्भ : समवेत शिखर, दीपावली विशेषांक, रायपुर, पृ. 121–30, 1991.

(ब) .....; छत्तीसगढ़ी–संदेश (त्रैमासिक), रायपुर, पृ. 5–6, 1993.

(12) छत्तीसगढ़ी उपर भाषावैज्ञानिक दृष्टि; छत्तीसगढ़ी सेवक, गणतंत्र दिवस विशेषांक, रायपुर, पृ. 5–6, 1989.

(13) छत्तीसगढ़ी भासा अउ साहित्य के विकास–यात्रा; संपादकीय, छिता कुरिया, प्रथम संश्रकणन, मयारू माटी प्रकाशन, रायपुर, पृ. 9–12, 1989.

(14) (अ) छत्तीसगढ़ी की उत्तर–पश्चिम उपबोली : पंडो; गवेषणा, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, अंक 57–58, पृ. 3–13, 1993.

(ब) .....; आज की जनधारा, रायपुर, पृ. 5, 1991.

(स) .....; छत्तीसगढ़ी सेवक, गणतंत्र दिवस विशेषांक, रायपुर, पृ. 3–14, 1990.

(15) छत्तीसगढ़ी भासा अउ साहित्य के विकास म छत्तीसगढ़ी सेवक के योगदान; छत्तीसगढ़ी सेवक, रजत जयंती विशेषांक, रायपुर, पृ. 13–19 एवं 61–66, 1991.

(16) छत्तीसगढ़ की सम्पर्क–भाषा : छत्तीसगढ़ी, नवभारत, रायपुर, पृ. 3, 28 फरवरी 1991.

(17) (अ) आदिवासी बोलियाँ और देवनागरी लिपि : औचित्य एवं समस्याएँ; नागरी संगम (त्रैमासिक), नई दिल्ली, पृ. 29–36, जुलाई–सितम्बर, 1991.

(ब) .....; छत्तीसगढ़ी सेवक, लोक साहित्य विशेषांक, रायपुर, पृ. 7–10, 1991.

(18) (अ) हिंदी की दक्षिणी–पूर्वी बोली : छत्तीसगढ़ी, मध्यप्रदेश संदेश (मासिक), भोपाल, पृ. 29–32, अक्टूबर, 1991.

(ब) .....; अग्रदूत, दीपावली विशेषांक, रायपुर, पृ. 45–49, 1991.

(19) (अ) फनीश्वर नाथ रेणु की 'परती परिकथा' का समाज–भाषावैज्ञानिक अध्ययन, इस्पात भाषा भारती, नई दिल्ली, पृ. 3–4, जून, 1993.

(ब) .....; विवरण पत्रिका (मासिक), हैदराबाद, पृ. 5–7, दिसम्बर, 1991.

(20) नाम कइसे धरथे; लोकमंजरी (त्रैमासिक), भिलाई, पृ. 5, सितम्बर 1993.

(21) छत्तीसगढ़ी की एक जनजातीय बोली 'पंडो' और देवनागरी लिपि, नागरी संगम (त्रैमासिक), नई दिल्ली, वर्ष–15, अंक–59, पृ. 47–51, 1993.

(22) (अ) आदिवासी बस्तर : इतिहास और परम्परा, (समीक्षा), छत्तीसगढ़ी संदेश (त्रैमासिक), रायपुर, पृ. 33 एवं 36, 1993.

(ब) .....; समवेत शिखर, रायपुर, पृ. 3, 24 अप्रैल, 1994.

(23) (अ) राष्ट्रीय लिपि और सम्पर्क लिपि : देवनागरी; भारतीय शिक्षण, सत्य और तथ्य (मासिक), बम्बई, पृ. 52'56, जुलाई 1995.

(ब) .....; राष्ट्रभाषा संदेश, इलाहाबाद, पृ. 4–5, 15 अप्रैल 1995.

(स) .....; भाषा, नई दिल्ली, वर्ष–36, अंक–8, नवम्बर–दिसम्बर, 1997.

(द) .....; रैन बसेरा, अहमदाबाद, वर्ष–3, अंक–5, पृ. 33–36, फरवरी 1996.

(य) .....; देवदीप, दीपावली विशेषांक, मुम्बई, वर्ष–25, अंक–25, पृ. 43–47, 1997.

(24) छत्तीसगढ़ी जनभाषा; स्मारिका–95, अखिल भारतीय दर्शन परिषद् का 39वाँ अधिवेशन, रायपुर से प्रकाशित स्मारिका, पृ. 26–28, जनवरी 1995.

(25) (अ) 'गोदान' का समाजभाषिक पक्ष; हिंदी प्रचार वाणी, बेंगलोर, पृ. 17–20, अगस्त 1995.

(ब) .....; विवरण पत्रिका (मासिक), हैदराबाद, पृ. 5–7, अगस्त 1995.

(स) .....; संकल्प (त्रैमासिक), हैदराबाद, पृ. 57–64, अक्टूबर–दिसम्बर 1995.

(द) .....; अंजूरि (त्रैमासिक), दिल्ली, अंक–12, पृ. 20–21, जुलाई–सितम्बर 1995.

(य) .....; भाषा, नई दिल्ली, वर्ष–36, अंक–6, पृ. 92–95, जुलाई–अगस्त 1997.

(26) (अ) वाद–सम्प्रदायवाद रूपी साहित्यिक धरातल पर हिंदी वाङ्मय का भविष्य; सौरभ, साऊथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड, बिलासपुर, पृ. 39–49, जून 1995.

(ब) .....; भेजपुरी लोक (मासिक), लखनऊ, पृ. 3–6, सितम्बर 1995.

(स) .....; धारा धारणा (मासिक), राजमहेंद्री, पृ. 21–25, अक्टूबर 1995.

(द) .....; सम्मेलन पत्रिका (त्रैमासिक), इलाहाबाद, भाग–81, पृ. 100–104,जुलाई 1997.

(27) हिंदी भारत की आत्मा की वाणी है; सहयोग दर्शन (मासिक), रायपुर, पृ. 14–16, जुलाई 1995.

(28) छत्तीसगढ़ी जनभाषा का वर्तमान स्वरूप; 'स्मारिका' (छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति द्वारा आयोजित), छत्तीसगढ़ी साहित्य सम्मेलन, 1996 द्वारा प्रकाशित स्मारिका, पृ. 1–5, फरवरी 1996.

(29) (अ) भाषा की वैज्ञानिकता और बोलियों का अंतर्संबंध; संकल्प; हिंदी अकादमी हैदराबाद का साहित्यिक त्रैमासिक, अंक–1, वर्ष–24, पृ. 30–43, जनवरी–मार्च 1996.

(ब) .....; हिंदी प्रचार वाणी, बेंगलोर, अंक–3, वर्ष–16, पृ. 17–24, फरवरी 1996.

(स) .....; राजभाषा पुष्पमाला, अंक–96, वर्ष–8, नई दिल्ली, पृ. 3–6, अप्रेल 1996.

(द) .....; सौरभ, बिलासपुर, अंक–9, पृ. 31–35, अगस्त 1996.

(य) .....; इस्पात भाषा भारती (त्रैमासिक), नई दिल्ली, अंक–54, पृ. 2–5, मार्च 1997.

(र) .....; भाषा, नई दिल्ली, वर्ष–36, अंक–5, पृ. 30–37, मई–जून 1997.

(ल) .....; राष्ट्रभाषा (मासिक), वर्ष–55, अंक–12, पृ. 15–18, दिसम्बर 1997.

(30) **(a) Sociolinguistic perspectivers of Prem Chand's Godan, Abstracts, 18th All India conference of Linguists, October 5-7, 1995, Mysore, Published by Central Institute of Indian Languages, Linguistic Society of India, Pune, p. 36.**

(b) Sociolinguistic perspectives of Prem Chand's Godan, Linguisticoliterary (A Festschrift for Professor D.S. Dwivedi); Edited by R.E. Asher (Edinbrgh) & Royharris (Oxford); Published by - Pil Grims Book Pvt. Ltd., Delhi, 2000.

(31) (अ) नागरी लिपि जनजातीय बोलियों के व्यवहार के लिए9 नागरी संगम, नई दिल्ली, अंक–69, वर्ष–18, पृ. 38–47, जनवरी–मार्च 1996.

(ब) लिपिविहीन जनजातीय बोलियों के लिए देवनागरी लिपि, स्मारिका, 19वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, तिरूपति, पृ. 37–44 1–3 फरवरी, 1996.

(स) .....; राजभाषा पुष्पमाला; अंक–105, वर्ष–9, नई दिल्ली, पृ. 2–8, जनवरी 1997.

(32) कबीर की शब्दावली, कबीर दर्पण, रायपुर द्वारा प्रकाशित स्मारिका, पृ. 47–48, 1997.

(33) छत्तीसगढ़ी जनभाषा और साहित्य, भारतीय भाषाओं की सहलिपि ' प्रथम अंतर्राष्ट्रीय नागरी लिपि सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका, नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली, पृ. 4–33, फरवरी 1999.

(34) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और महत्ता, नागरी संगम (त्रैमासिक), वर्ष–21, अंक–84, नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली, पृ. 30–36, अक्टूबर–दिसम्बर 1999.

(35) लिपि विहीन जनजातीय बोलियों के लिए देवनागरी लिपि, स्मारिका, 23वाँ अखिल भारतीय नागरी

लिपि सम्मेलन, शिरडी (महाराष्ट्र)9 पृ. 83–100, मार्च 2001.

(36) (अ) भारतीय संविधान और नागरी लिपि, रैनबसेरा (गुजरात हिंदी विद्यापीठ, अहमदाबाद), पृ. 13–15, अप्रेल 2001.

(ब) .....; राष्ट्रभाषा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र), पृ. 5–6, फरवरी 2001.

(स) .....; सुमन सुधा, ग्वालियर (म.प्र.), पृ. 98–100, मार्च–अप्रेल 2001.

(37) नागरी लिपि : उत्पत्ति और विकास, रैनबसेरा (गुजरात हिंदी विद्यापीठ, अहमदाबाद) हिंदी विशेषांक, पृ. 27–29, नवम्बर 2001.

(38) छत्तीसगढ़ी भाषा एवं उनकी बोलियाँ, नवभारत : छत्तीसगढ़ का आर्थिक–सांस्कृतिक वैभव, राज्य अभ्युदय वर्षगाँठ विशेषांक, रायपुर, पृ. 27, 1 नवम्बर 2001.

(39) लिपि और व्याकरण, नवभारत, रायपुर, दीपावली विशेषांक, पृ. 62, 2001.

(40) छत्तीसगढ़ी की लिपि : एक विश्लेषण, सबेरा संकेत : छत्तीसगढ़ राज्य–स्थापना वर्षगाँठ, राजनांदगाँव, पृ. 10–16, 1 नवम्बर 2001.

(41) (अ) छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के विविध रूप : रउताही–2002, अहीर नृत्य कला महोत्सव परिषद्, देवरहट, जिला–बिलासपुर, पृ. 20–23, 2002.

(ब) .....; सर्वहारा (मासिक पत्रिका), रायपुर, पृ. 9–12, मई 2002.

(42) प्रसाद के नाटकों में संघर्ष, प्रसाद : एक नई दृष्टि, संपादक : डॉ. प्रणव शर्मा एवं डॉ. प्रणीता प्रणव, भावना प्रकाशन, दिल्ली, पृ. 3–15, 2000.

(43) (अ) छत्तीसगढ़ का भाषायी परिदृश्य : मंगल प्रभात, राष्ट्रीय गैर–अनुसूचित हिन्दुस्तानी भाषा सम्मेलन–2002, सन्निधि, राजघाट, नई दिल्ली, पृ. 28, 2002.

(ब) .....; सन्निधि, स्मारिका, नई दिल्ली, पृ. 40, 23–24 मार्च 2002.

(44) (अ) भारत की एकता और नागरी लिपि, नागरी संगम (त्रैमासिक), वर्ष–24, अंक–95, नई दिल्ली, पृ. 43–46, जुलाई–सितम्बर 2002.

(ब) .....; सबेरा संकेत, रराजनाँदगाँव, दीप अंक, पृ. 71–73, 2002.

(45) (अ) सूचनापरक तकरीकी युग में हिंदी, अमृतसंदेश, रायपुर, दीपोत्सव अंक, पृ. 40–41, 2002.

(ब) .....; द्वीप लहरी, हिंदी साहित्य कला परिषद्, पोर्ट ब्लेयर का प्रकाशन, वर्ष–15, अंक–29, पृ. 13–14, अगस्त 2003.

(46) व्यंग्य–विधा और शैली, इस्पात भाषा भारती, नई दिल्ली, वर्ष–24, पृ. 34–35, जुलाई–दिसंबर 2002

(47) (अ) नागरी लिपि : शक्ति, सीमाएँ और संभावनाएँ, देवनागरी विमर्श, मालवा नागरी लिपि अनुसंधान–केंद्र, उज्जैन, प्रथम संस्करण, पृ. 30–32, 2003.

(ब) .....; स्मारिका, नागरी संगम विशेषांक, 26वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन,, हैदराबाद, पृ. 26–29, 2004.

(48) छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की सामाजिक पृष्ठभूमि (ददरिया के विशेष संदर्भ में), रउताही–2003, अहीर नृत्य कला महोत्सव परिषद्, देवरहट, जिला–बिलासपुर, पृ. 20–23, 2003.

(49) भारतीयता की पहचान : नागरी लिपि, नागरी संगम, वर्ष'25, अंक–99, जुलाई–सितंबर, 2003, नई दिल्ली, पृ. 13–19.

(50) आदिवासी बोली 'पंडो' का भाषिक–वैशिष्ट्य, सन्निधि स्मारिका, राष्ट्रीय आदिवासी भाषा सम्मेलन, 5–7 सितंबर 2003., नई दिल्ली, पृ. 55–60.

(51) (अ) छत्तीसगढ़ की अस्मिता की पहचान : छत्तीसगढ़ी जनभाषा, स्मारिका, छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज, 24वाँ महाअधिवेशन, रायपुर, 8 फरवरी 2004, पृ. 25–30.

(ब) .....; आमंत्रण, दीपोत्सव अंक–2003, रायपुर, पृ. 37–39.

(स) .....; उजाला–2003, प्रखर समाचार, रायपुर, पृ. 65–67.

(52) लिपिविहीन बोलियों और भाषाओं के लिए देवनागरी लिपि; नागरी संगम (त्रैमासिक), नई दिल्ली, वर्ष–27, अंक–108, अक्टूबर–दिसम्बर 2005, पृ. 14–17.

(53) हिंदी का भविष्य : इस्पात भाषा भारती,ख वर्ष–3, अंक–13, अगस्त–सितम्बर, 2008, पृ. 16–17.

(54) छत्तीसगढी का संत–साहित्य, मीरायण, मीरा स्मृति संस्थान, चित्तौड़गढ की त्रैमासिक शोध–पत्रिका, वर्ष–3, अंक–1, मार्च–मई, पृ. 13–16.

(55) मीडिया और समाज; मीडिया की भाषा : स्त्री; (संपा. खेमसिंह डहेरिया), अध्ययन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2011, पृ. 25–29.

(56) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : भाषा का बदलता स्वरूप, द्वि.–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15–16 फरवरी, 2012, ए.पी.जे. सरस्वती कन्या महाविद्यालय, चरखी दादरी (भिवानी), हरियाणा, पृ. 1–3.

(57) छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की सामाजिक पृष्ठभूमि : बिहनिया, संस्कृति–विभाग, रायपुर (छत्तीसगढ़), दशम् अंक, नवम्बर–2012, पृ. 46–48.

(58) पंडो का सामाजिक पक्ष, शोध–संक्षेपिका, राष्ट्रीय संगोष्ठी, 10–12 अक्टूबर, 2012, भाषाविज्ञान–विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उत्तर प्रदेश).

16. विषय से इतर प्रकाशित लेख : संख्या 9

(1) स्वामी आत्मानंद : एक कर्मयोगी; दैनिक भास्कर, जबलपुर पृ. 6, 10 सितम्बर, 1989.

(2) रामचंद्र देशमुख : एक कर्मयोगी, दैनिक अमर किरण, दुर्ग, पृ. 25 अब्टूबर, 1991.

(3) राष्ट्रीय भावात्मक एकता में विनोबी जी का योगदान, नागरी संगम (विनोबा जन्मशताब्दी विशेषांक), नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली, 3 मार्च 1995, पृ. 49–53.

(4) अंधकार युग में प्रकाश–स्तंभ : महात्मा गाँधी, स्मारिका–95, महात्मा गाँधी 125 वाँ जन्म वर्ष समारोह, 3 सितम्बर 1995, पृ. 66–67.

(5) राजनीति के आंगन का विवेकानंद : सुभाष बाबू, अप्रतिम योद्धा, नेताजी सुभाष जन्मशताब्दी वर्ष 1996 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका, रायपुर जनवरी 1996, पृ. 4–23.

(6) छत्तीसगढ़ी एकांकी की विकास–यात्रा : भूमिका, जाग छत्तीसगढ़ जाग, लेखक : लखन लाल गुप्ता, प्रकाशक : छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर, मार्च 1996, पृ. 1–2.

(7) सेवाभावी डॉ. व्यथित जी : कर्मयोगी डॉ. जयसिंह व्यथित अभिनंदन ग्रंथ, शष्टिपूर्ति महोत्सव प्रकाशन, अहमदाबाद (गुजरात), 2000, पृ. 2 एवं 287.

(8) शिवत्व की भावना से आप्लावित : आयु पंख, आयु पंख का शितिज (श्री केशरीनाथ त्रिपाठी के काव्य संकलन की समीक्षा), भारती परिषद्, प्रयाग, 2002, पृ. 105–107.

(9) माननीय मूल्यों की सार्थक तलाश : अमृतमयी का काव्य उत्स, भारती परिषद्, प्रयाग, 2004, पृ. 60–64.

17. आकाशवाणी केन्द्र रायपुर प्रसारित वार्ता : संख्या 3

(1) छत्तीसगढी की भाषावैज्ञानिक विशेषताएँ, दिनांक 25.08.1992.

(2) भाषा की उत्पत्ति : एक रोचक प्रसंग, दिनांक 23.03.1993.

(3) भाषा की परिवर्तनशीलता, दिनांक 15.03.1993.

18. व्याख्यान : संख्या 42

(1) छत्तीसगढी भाषा की विकास–यात्रा, छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन, 1990.

(2) मध्यप्रदेश की आदिवासी बोलियाँ, आदिवासी बोली परिसंवाद–91, भोपाल, म.प्र. आदिमजाति, हरिजन तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण–विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 1991.

(3) लिपिरहित भाषाएँ एवं बोलियाँ, 15वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, औरंगाबाद, 1992.

(4) छत्तीसगढी भाषा का स्वरूप, छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर द्वारा आयोजित अधिवेशन, 1993.

(5) छत्तीसगढ़ी भाषा का सौदर्य : सामुदायिक विकास–विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई द्वारा आयोजित, लोक–कला महोत्सव, 1993.

(6) मध्यप्रदेश की लिपिरहित भाषाएँ, 16वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, नई दिल्ली, 1993.

(7) वाद–संप्रदायवाद एवं हिंदी वाङ्मय का भविष्य, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा अयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन, इलाहाबाद, 1994.

(8) कबीर की भाषा, कबीर मंच, गरियाबंद द्वारा आयोजित सम्मेलन, 1994.

(9) भारतीय भाषाएँ एवं नागरी लिपि, 17वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, बेंगलोर, 1994.

(10) राष्ट्रीय भावात्मक एकता और देवनागरी लिपि, नागरी लिपि परिषद्, छत्तीसगढ़ इकाई, रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 1995.

(11) कविता की ऐतिहासिक ऊर्जा, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, इलाहाबाद, 1995.

(12) भाषा की वैज्ञानिकता और बोलियों का अंतर्संबंध, अखिल भारतीय हिंदी शोध–संगोष्ठी, 1995, शासकीय स्नातकोत्तर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित शोध–संगोष्ठी, 27–28 दिसम्बर, 1995.

(13) छत्तीसगढी जनभाषा का वर्तमान स्वरूप, छत्तीसगढी साहित्य सम्मेलन, फरवरी 1996, रायपुर.

(14) लिपिविहीन आदिवासी भाषाओं के लिए देवनागरी लिपि, 19वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन तिरूपति, 1–3 फरवरी, 1996.

(15) नागरी लिपि परिषद् : अतीत एवं वर्तमान, 20वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, रायपुर, 17–19 जनवरी 1997.

(16) भारत में देवनागरी लिपि, 21वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, नई दिल्ली, 3–12 सितम्ब 1997.

(17) नागरी लिपि जनजातीय बोलियों के व्यवहार के लिए : 21वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, 3–12 सितम्बर, 1997, नई दिल्ली.

(18) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और महत्ता : प्रथम अंतर्राष्ट्रीय नागरी लिपि सम्मेलन, 6–7 फरवरी,

(19) भारतीय संविधान और नागरी लिपि : 4वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, 25–26 मार्च, 2000, नई दिल्ली.

(20) लिपिविहीन जनजातीय बोलियों के लिए देवनागरी लिपि : 23वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, 18–19 मार्च 2001, शिरडी (महाराष्ट्र).

(21) बीसवीं सदी की उपलब्धियाँ : उक्कीसवीं सदी की चुनौतियाँ (राष्ट्रभाषा हिंदी के संदर्भ में), 2–3 जून, 2001, देहरादून (उत्तराँचल).

(22) भारत की एकता और नागरी लिपि, 24वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, इन्दौर (मध्यप्रदेश), मार्च 2002.

(23) छत्तीसगढ़ की लिपिरहित भाषाएँ : एक दृष्टि, नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कन्या विद्यालय, वैगन वर्कशॉप कॉलोनी, रायपुर, फरवरी 2002.

(24) भाषा की सुरक्षा–श्रीवृद्धि के लिए रचनात्मक उपायों कील तलाश, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा चंडीगढ़ (पंजाब) में आयोजित भाषा–सम्मेलन, 13–14 जुलाई 2002.

(25) आयु पंख : एक दृष्टि, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा श्री केशरीनाथ त्रिपाठी के 68वें जन्मदिन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 9–10 नवंबर 2002, इलाहाबाद.

(26) नागरी लिपि : शक्ति, सीमाएँ एवं संभावनाएँ, मालवा नागरी लिपि अनुसंधान केन्द्र, उज्जैन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 3–12 जनवरी 2003, उज्जैन,

(27) सूचनापरक तकनीकी युग में हिंदी, स्टेल्ला मॉरिस महिला महाविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2003, 16–18 जनवरी 2003, चेन्नई.

(28) हिंदी की वर्तमान स्थिति : भारतीय संदर्भ में, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा चित्रकूट (उत्तरप्रदेश) में आयोजित भाषा–सम्मेलन, 2–4 जून 2003.

(29) आदिवासियों की शिक्षा नीति, राष्ट्रीय आदिवासी भाषा सम्मेलन, 5–7 सितंबर 2003, राजघाट, नई दिल्ली.

(30) हिंदी दिवस समारोह, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा जगन्नाथपुरी (उड़ीसा) में आयोजित भाषा–सम्मेलन, 13–14 सितंबर, 2003.

(31) भारतीय संस्कृति के सुदृढ़ता में भाषाई भूमिका, राष्ट्रीय संगोष्ठी, 19–20 फरवरी 2004, चेन्नई.

(32) भारतीयता की पहचान : देवनागरी लिपि, 26वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, 28–29 फरवरी, 2004, हैदराबाद.

(33) भारतीय भाषाएँ तथा राष्ट्रभाषा हिंदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग का वार्षिक अधिवेशन, अयोध्या, 9–10 जून 2004.

(34) हिंदी भाषा एवं मातृभाषाओं के अवमूल्यन की वर्तमान स्थिति, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा जम्मू में आयोजित भाषा–सम्मेलन, 13–14 सितंबर 2004.

(35) आज के हिंदी नाटक रंगमंच के निकष पर : राष्ट्रीय संगोष्ठी, बोधगया (बिहार), 12–13 मार्च 2005.

(36) लिपिविहीन बोलियों और भाषाओं के लिए देवनागरी लिपि, 28वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, शिलांग (मेघालय), 17–18 अक्टूबर, 2005.

(37) भारत में हिंदी की वर्तमान स्थिति : राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुवाहाटी (असम), 24–25 दिसम्बर, 2005.

(38) राष्ट्रभाषा हिंदी की प्रतिष्ठा–वृद्धि में अवरोधक तत्व : मथुरा (उत्तरप्रदेश), 5–6 अगस्त, 2006.

(39) दृष्टि 2020 : कार्यशाला; गणित–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में दिनांक 5–8 अगस्त, 2006.

(40) हिंदी और आंचलिक बोलियों के बीच अंतर्संवाद; कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग, रायपुर एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, दिनांक 7–8 फरवरी 2009 को सम्मिलित होकर आलेख वाचन किया.

(41) गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद (गुजरात) में दिनांक 14–15 फरवरी 2009 में आयोजित 31वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन में 'भारत की लिपिरहित बोलियों और भाषाओं के लिए नागरी लिपि' विषय पर द्वितीय संगोष्ठी की अध्यक्षता किया और अध्यक्षीय उद्‌बोधन किया.

(42) साहित्य मंडल, श्रीनाथ (राजस्थान) द्वारा आयोजित सम्मेलन 'हिंदी लाओ : देश बचाओ' समारोह दिनांक 13–15 सितम्बर 2009 में सम्मिलित हुआ.

19. **संगोष्ठी का संयोजक एवं संचालक : संख्या 8**

(1) छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर का वार्षिक अधिवेशन, 1990.

(2) छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर का वार्षिक अधिवेशन, 1993.

(3) नागरी लिपि परिषद्, छत्तीसगढ़ इकाई रायपुर द्वारा विनोबा जन्मशताब्दी के संदर्भ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय भावात्मक एकता में देवनागरी लिपि का योगदान, 1–2 जनवारी, 1995.

(4) नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 20वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, रायपुर 17–19 जनवरी 1997.

(5) नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय नागरी लिपि संगोष्ठी, रायपुर, 5 मार्च 2000.

(6) नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय नागरी लिपि संगोष्ठी, ग्राम–टेकारी (जुलुम), 4 मार्च 2001.

(7) नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कए दिवसीय नागरी लिपि संगोष्ठी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कन्या विद्यालय, वैगन वर्कशॉप कॉलोनी, रायपुर, फरवरी 2002.

(8) नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक दिवसीय नागरी लिपि संगोष्ठी, सत्संग भवन, दूधाधारी मठ, रायपुर, 24 मार्च 2002.

20. **नामजद एवं निर्वाचित : संख्या 20**

(1) भाषाविज्ञान–पाठ्यक्रम समिति का सदस्य, 1978 (छात्र–प्रतिनिधि) एवं 1983 से 1993 तक शिक्षक–प्रतिनिधि.

(2) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्याल, रायपुर का कोर्ट का सदस्य, 1978 (छात्र–प्रतिनिधि) एवं 1988 से 1991 तक शिक्षक–प्रतिनिधि.

(3) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, अनुचित साधन समिति का सदस्य, 1978 (छात्र–प्रतिनिधि).

(4) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, भाषाविज्ञान–परिषद् का उपाध्यक्ष, 1977.

(5) पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, भाषाविज्ञान–परिषद का अध्यक्ष, 1978.

(6) एन.सी.सी. (जूनियर डिवीजन) 1969.

(7) एन.सी.सी. (सीनियर डिवीजन), 1972.

(8) पूर्व सदस्य, कला संकाय, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

(9) सदस्य, शोध–उपाधि समिति, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (1996 से 1999).

(10) संस्थापक सदस्य एवं विभागाध्यक्ष, भाषाविज्ञान–विभाग, कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर.

(11) अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर (1990 से 1997).

(12) संपादक : छत्तीसगढ़ी–संदेश (त्रैमासिक), साहित्यिक एवं शोधपरक पत्रिका, रायपुर (1993 से 1997).

(13) अध्यक्ष, नागरी लिपि परिषद्, छत्तीसगढी इकाई, रायपुर (1994 से वर्तमान में).

(14) कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली (1995 से वर्तमान में).

(15) संपादक मण्डल का सदस्य, नागरी संगम (त्रैमासिक) पत्रिका, नई दिल्ली (वर्तमान में).

(16) उपाध्यक्ष, नागरी लिपि परिषद, नई दिल्ली (वर्तमान में).

(17) ज्वाइंट प्रॉक्टर, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (पूर्व में).

(18) विभागाध्यक्ष, अँग्रेजी अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर दिनांक 30.09.1998 से 04.08.2001 तक.

(19) कार्यकारिणी सदस्य, जिला साक्षरता समिति, रायपुर, छत्तीसगढ (वर्तमान में).

(20) सदस्य, स्थायी समिति, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग (वर्तमान में).

21. **सम्मान**

(1) हिंदी गरिमा सम्मान, गुजरात हिंदी विद्यापीठ अहमदाबाद द्वारा, 5 जनवरी 2000.

(2) नागरी सम्मान, नागरी लिपि परिषद्, महाराष्ट्र इकाई अहमदनगर द्वारा, 23वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन के अवसर पर, 18 मार्च 2001, शिरडी (महाराष्ट्र).

(3) राष्ट्रीय लोकभाषा सम्मान–2002, सन्निधि, राजघाट, नई दिल्ली, 2002.

(4) अखिल भारतीय हिंदी सम्मान, 9–10 नवंबर 2002, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग.

(5) राष्ट्रभाषा सम्मान, बहुभाषी लेखिका संघ, चेन्नई, 16 फरवरी 2003.

(6) सारस्वत सम्मान, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के चित्रकूट अधिवेशन में 4 जून 2003.

(7) कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर, वर्ष 1983, 84 एवं 85 की वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षाफल देने हेतु सम्मानित.

(8) कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर में प्राचार्य के रूप में कार्य करते हुए सफल प्रशासनिक कार्यों का संचालन एवं संपादन हेतु सम्मानित.

(9) कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सफल संचालन हेतु सम्मानित.

(10) छत्तीसगढ़ी–रत्न सम्मान, छत्तीसगढ़ी राजभाषा संघर्ष–समिति, रायपुर (छत्तीसगढ़), वर्ष 2008.

(11) हिंदी भाषा–भूषण सम्मान, हिंदी साहित्य मंडल, नाथद्वारा (राजस्थान), 14 सितम्बर 2009 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रदान यिका.

(12) साहित्य महर्षि सम्मान, खानकाह सूफी दीदार शाह चिश्ती द्वारा ठाणे (महाराष्ट्र) में संचालित संस्था द्वार सर्वोत्कृष्ठ सृजन के आधार पर दिनांक 17.10.2009 को प्रदान किया.

(13) जबलपरु – रावान, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग.

2. पुरस्कार : संख्या 02

(1) नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय नागरी निबंध लेखन प्रतियोगिता के विद्वान–वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया.

(2) विनोबा भावे पुरस्कार–2004, नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 26वाँ अखिल भारतीय नागरी लिपि सम्मेलन, हैदराबाद, 29 फरवरी 2004 को प्रदत्त.

(3) विषय–विशेषज्ञ : हिंदी भाषा एवं साहित्य, एक दिवसीय प्रश्न बैंक कार्यशाला, कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली, 23 जून, 2012.

23. आजीवन सदस्यता : संख्या 11

(1) विनोबा जी की प्रेरणा से स्थापित नागरी लिपि परिषद्, नई दिल्ली का सदस्य.

(2) छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के सर्वांगीण विकास के लिए स्थापित छत्तीसगढी भाषा–साहित्य प्रचार समिति, रायपुर का सदस्य.

(3) नागरी लिपि परिषद्, छत्तीसगढ इकाई, रायपुर का सदस्य.

(4) संस्थापक सदस्य एवं उपाध्यक्ष : पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के शिक्षक–कल्याण संगठन.

(5) संस्थापक सदस्य एवं सचिव, नव छत्तीसगढ़ी अकादमी, रायपुर.

(6) आजीवन सदस्य, छत्तीसगढ इतिहास संकलन समिति, रायपुर.

(7) आजीवन सदस्य, भारतीय भाषा सम्मेलन, नई दिल्ली.

(8) सदस्य, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग.

(9) आजीवन सदस्यता, लोकाक्षर मासिक पत्रिका, बिलासपुर.

(10) सदस्य, समकालीन भारतीय साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली.

(11) सदस्य, कल्याण मासिक पत्रिका, गीता प्रेस, गोरखपुर.

24. विशिष्ट अनुभव :

(1) अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा की संगठन–व्यवस्था में आयोजित राज्य स्तरीय युवा–उत्सव, 12–14 जनवरी 1993 में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के दल–प्रभारी के रूप में छात्र–छात्राओं का नेतृत्व करते हुए चैम्पियन ट्राफी प्राप्त किया.

(2) विधानचंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर (प. बंगाल) में आयोजित अंतरविश्वविद्यालय युवा उत्सव–93, 4–28 दिसम्बर 1993 में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर दल–प्रभारी.

(3) देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव–94, 12–14 जनवरी 1994 में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर का दल–प्रभारी.

25. **विशिष्ट प्रशिक्षण** :

(1) उच्च–शिक्षा अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में आयोजित 9वाँ ओरियेन्टेशन कोर्स में सम्मिलित होकर दिनांक 21.08.89 से 16.09.89 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया.

(2) उच्च–शिक्षा अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से केंद्रीय अँग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद में आयोजित भाषाविज्ञान के रिफ्रेशन कोर्स में सम्मिलित होकर दिनांक 02.09.91 से 21.09.91 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया.

(3) उच्च–शिक्षा अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से भाषाविज्ञान–अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित प्रथम हिंदी भाषा एवं साहित्य पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सम्मिलित होकर 13.03.95 से 03.12.95 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया.

(4) उच्च–शिक्षा अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से भाषाविज्ञान अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित तृतीय हिंदी भाषा एवं साहित्य पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सम्मिलित होकर दिनांक 07.02.97 से 27.12.97 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया.

(5) रिफ्रेशर कोर्स, कार्यशाला समन्वयक, दिनांक 06.01.2011 से 26.01.2011 तक पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.

(6) समन्वयक, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 4–24 नवम्बर 2011.

रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक : 13.05.2014

(डॉ. व्यास नारायण दुबे),
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,
साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छत्तीसगढ़)–492010